

ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 18

अंक - 8

जुलाई- II, 2017



पाठिक

माउण्ट आबू

रु. 8.00

लाल किला मैदान में ब्रह्माकुमारियों द्वारा सबसे बड़ा सामूहिक योग

तीसरे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर लाल किला के मैदान में सामूहिक राजयोग का अभ्यास कर वतावरण में गहन शांति और पवित्रता के प्रकम्पन फैलाते हुए ब्रह्माकुमारीज के पचास हजार भाई बहनें।

नई दिल्ली। तीसरे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा आयुष मंत्रालय के सहयोग से लाल किला मैदान में सामूहिक योग के कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें संस्था के पचास हजार लोगों ने

उत्तम स्वास्थ्य प्राप्त होता है, बल्कि इस झूठे एवं व्यर्थ के अभिमान, अहंकार, लोभ, मोह से भी हम छूट पाते हैं। उन्होंने कहा कि वास्तव में शारीरिक योग हठयोग है, जिससे शारीरिक स्वास्थ्य प्राप्त होता है। जबकि राजयोग बुद्धियोग

आती है, मनुष्य सब प्रकार की बुराई और व्यसनों से मुक्त हो जाता है। लोकसभा सांसद साक्षी महाराज ने ऐसे आयोजनों के लिए शुभ कामनायें देते हुए कहा कि योग से आत्मा एवं परमात्मा का बोध होता है और यही गीता व सभी वेदों, ग्रन्थों, शास्त्रों का सच्चा सार है और इसी से ही व्यक्ति, समाज और प्रकृति व्यवस्थित, स्वस्थ और सुखदायी हो जाएंगे।

ब्रह्माकुमारी संस्था के मुख्य वक्ता ब्र.कु. वृजमोहन ने कहा कि राजयोग से हम कर्मेन्द्रिय जीत के साथ प्रकृति जीत भी बन जाते हैं। राजयोग मन और कर्मेन्द्रियों को शान्त और शक्तिशाली बना देता है और विकारों से मुक्त करता है।

यहूदी समाज के ई.आई. मालेकर ने इस अवसर पर कहा कि हर व्यक्ति स्वस्थ जीवन, स्वस्थ मन की खोज में है, इसके लिए योग को अपनाना होगा। योग किसी धर्म, जाति विशेष से जुड़ा हुआ

प्रदान करता है।

बहाई धर्म के नेशनल ट्रस्टी डॉ. ए.के. मर्चेन्ट ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि योग से ही सृष्टि उत्पन्न हुई है। शान्ति, भाईचारे एवं एकता के लिए समस्त विश्व को एक परिवार समझना

सद्भाव बनाता है। योग मानव, प्रकृति और संसार को जोड़ता है तथा हमारे जीवनशैली को बदल देता है। सी.बी.आई. के पूर्व निदेशक डी.आर. कार्तिकेयन ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा सिखलाये जा रहे योग ध्यान



कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए ब्रह्माकुमारीज की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी जी।

राजयोग का अभ्यास किया। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज की मुख्य प्रशासिका 102 वर्षीय राजयोगिनी दादी जानकी ने अपने आशीर्वचन में कहा कि योग वह है जिसमें 'मैं कौन' अर्थात् अपने को आत्म रूप में पहचान कर 'मेरा कौन' अर्थात् उस परमात्मा पिता को जान कर उससे सम्बन्ध जोड़ना है।

दादी ने कहा कि हम असली आत्मिक 'मैं' को भूल देह अभिमान एवं अहंकार के 'मैं' में फँस जाते हैं तथा असली 'मेरा कौन' को भूल लोभ एवं मोह में फँस जाते हैं। राजयोग से न केवल

है, परमात्मा को मन बुद्धि और सर्व सम्बन्धों से याद करने का योग है। दादी ने कहा कि राजयोग से सर्वांगीण स्वास्थ्य के साथ साथ आपसी सम्बन्ध में मधुरता तथा समाज में शांति,सद्भावना, भाईचारा एवं विश्व बन्धुत्व की भावना के वातावरण का निर्माण होता है। इस राजयोग से जीवन में सच्चाई, सफाई, सादगी और समृद्धि

- लाल किला मैदान में पचास हजार श्वेत वस्त्रधारी फरिश्तों की लगी महफिल
- तीसरे विश्व योग दिवस पर दिल्ली में ब्रह्माकुमारियों के द्वारा हुआ सबसे बड़ा सामूहिक योग
- राजयोग से मिलेगा उत्तम स्वास्थ्य और विकारों व बुराइयों से मुक्ति - दादी
- योग से होता है आत्मा, परमात्मा का बोध जो कि सारे शास्त्रों का सार है - साक्षी महाराज

नहीं है। योग तो हमें शीतलता और शक्ति



लखनऊ-उ.प्र.। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तथा उ.प्र. के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के आगमन पर उनका अभिवादन करते हुए ब्र.कु. राधा।

होगा।हुसैन मेमोरियल सोसायटी के अध्यक्ष दिलदार हुसैन बेग ने कहा कि योग बनाये निरोग अर्थात् योग हमारे जीवन के सारे रोगों को मिटा देता है। उन्होंने ब्रह्माकुमारी संस्था के सदस्यों को शान्तिदूत बताया। ईसाई धर्म के डॉ. फादर जोन्स ने कहा कि योग मनुष्य और प्रकृति के बीच

से परिवार, समाज और पूरे विश्व में सद्भावना, एकता और भाईचारे की भावना आ सकती है। ब्रह्माकुमारी संस्था की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका एवं कार्यक्रम की निदेशिका ब्र.कु. आशा ने उपस्थित जनसमूह को बताया कि राजयोग के प्रयोग की प्रत्यक्ष प्रमाण 102 वर्षीय दादी जानकी हैं जो सदैव एक्टिव तथा मानसिक रूप से शक्तिशाली हैं। परमात्मा के साथ योग से दादी अपने शरीर में होने वाले रोगों पर विजय प्राप्त कर चुकी हैं।